

ऊरुभिर्न (ऊ०+भि०) adj. f. ई am Schenkel durchstoßen P. 4, 1, 52, Sch.
ऊरु = ऊरुः BHAR. zu AK. und DVIRUPAK. im ÇKDr.

ऊरुस्तम् (ऊ०+स्त०) 1) m. Lähmung der Schenkel Suçr. 2, 43, 4.
Verz. d. B. H. No. 973. Çāk. 23, 5 (im Prākṛt). — 2) f. आ Name einer
Pflanze (s. कदली) Rāgān. im ÇKDr.

ऊर्ज P. 3, 2, 177. f. Nahrung, Stärkung; Kraftfülle, Saft Naigh. 2, 7.
Nir. 3, 8. 9, 27, 43. 11, 29. H. 796, Sch. पितृमतीमूर्जम् RV. 1, 116, 8. 118,
7. घृतश्रुतम् 8, 8, 16. VALAKH. 3, 9. इमा हि तामूर्जा वर्धयन्ति RV. 2, 11, 1.
1, 128, 2. चतस्र ऊर्ज इडुहे पर्याप्ति 8, 89, 10. AV. 9, 1, 7. 18, 4, 34, 36. ऊ-
र्जा घृतेन पर्यासा RV. 10, 19, 7. ऊर्जं वहतीरुमन् घृतं पर्याः VS. 2, 34. ऊर्जं
गावो यवेन पीवो घृतम् RV. 10, 100, 10. (आयः) विश्वे देवा यामूर्जं मदन्ति
7, 49, 4. ऊर्जं पृथिव्या भक्त्या 10, 109, 7. (पृथिवि) यास्तु ऊर्जस्तन्वः संवभू-
वुः AV. 12, 1, 12. ऊर्जं नो धेहि हि पदे चतुष्पदे VS. 11, 83. ऊर्जामोषधी-
नाम् 18, 54 (vgl. आयामोषधीनां रसः Ait. Br. 8, 8). 41. 17, 1. 18, 9. प्रज्ञामे-
का त्रिव्यूर्जमेका राष्ट्रमेका रत्नति देवयूनाम् AV. 8, 9, 13. ऊर्जा भागो नि-
र्दिता यः पुरा वः 11, 1, 15. 18, 4, 40. ऊर्जा घनान्मुडम्बरः Ait. Br. 8, 8.
7. öfters ähnlich im Çat. Br. स यच्छरभ्युसं श्रोत्रययः पच्यते तेनो हैता-
विषयोर्जश्च Çat. Br. 4, 3, 4, 17. यो वृष्टाहर्षसो जायते 14, 2, 27. 4, 3, 1. 7
= Bṛh. Âr. Up. 1, 3, 1. ÇĀṆKH. Çr. 2, 11, 4. 12, 2. 4, 3, 3. 10, 1. Pār. Gṛh. 1,
1, 8. 3, 3, 4. पूजितं क्षणं नित्यं वलमूर्जं च यच्छक्ति M. 2, 55. Häufig in
Verbindung mit इष् (Beispiele mit पयस् s. oben) Speise und Trank,
Kraft und Saft: इष्मूर्जं सुत्तिरिति सुप्रमशुः RV. 2, 19, 8. विदाहर्जं शतक्र-
तुर्विदाहर्जम् 22, 4. पिप्युषीमिष्मूर्जं सप्तपदीम् 8, 61, 16. AV. 3, 10, 7. 4,
39, 2. 9, 1, 20. 3, 24. 18, 4, 4. VS. 9, 4. 17, 1. नम ऊर्ज इषे त्रय्याः पतये य-
ज्ञे रतसे । तृप्तिदाय च जीवानां नमः सर्वसात्मने ॥ Buāg. P. 4, 24, 38. Agni
heißt ऊर्जा पतिः RV. 1, 26, 1. 5, 41, 12. 8, 19, 7. 23, 12 und ऊर्जा नपात् 1,
38, 8. 2, 6, 2. 3, 27, 12. 5, 7, 1 u. s. w. ऊर्जः पुत्रः 1, 96, 3. — Das verbum
s. u. ऊर्जय्. Vgl. ὀρῶ and ὀρῶς.

ऊर्ज (von ऊर्ज wie इष् von इष्) 1) m. a) N. eines Herbstmonats (Nah-
rung —, Stärkung gebend), des Nov.-Dec. (कार्तिक) P. 4, 4, 128, Vārtt.
2. AK. 1, 1, 3, 18. TRIK. 3, 3, 83. H. 133. an. 2, 66. MED. g. 4. VS. 14, 16. 22,
34. Çat. Br. 4, 3, 4, 17. इषोर्जा शरत् Suçr. 1, 19, 9. VP. 223. — b) Kraft, वल
(also = ऊर्ज) H. 796 (nach dem Sch. m. f. n.). an. 2, 66. MED. That-
kraft, उत्साह TRIK. H. 300. MED. ऊर्जमेध MBh. 13, 3674. ऊर्जातिशया-
न्वित AK. 2, 8, 2, 43 und उज्जितोर्ज adj. Buāg. P. 4, 17, 11 hierher oder
zu 2, a. Vgl. ऊर्जयानि fgg. — c) das Leben, प्राणन MED. vgl. ऊर्जय्.
— d) N. pr. ein Sohn des 2ten Manu HARIV. 419. des 3ten 424 (vgl.
VP. 260). Satjahita's 1809. Vatsara's von der Svarvithi Buāg.
P. 4, 13, 12. ऊर्जाः, Söhne des Hiraṇyagarbha, unter den 7 Ṛshi
im 3ten Manvantara HARIV. 422. — 2) f. ऊर्जा a) so v. a. ऊर्जः आ वं
रुज्जस ऊर्जा व्युष्टिपु RV. 10, 76, 1. इन्द्रं तृतां समन्त्रे विद्धा अयं ऊर्जा स्पृधाम-
नराम् AV. 2, 29, 7. 8, 10, 11, 26. 11, 7, 13. सं स्यूर्जया सूनयः सं वल्लेन 4, 23, 4.
ऊर्जया वा यत्संचते क्विर्द्वाः 5, 1, 7. ऊर्जा च स्फाति च 9, 6, 33, 45. 10, 6,
26. 16, 2, 1. SV. I, 5, 2, 2, 10 (wo ऊर्जाः zu verstehen ist, nicht ऊर्जा). तद-
न्ति तर्पणादेव लभेतोर्जान् Suçr. 2, 349, 4. — b) N. pr. einer Tochter
Daksha's und Gemahlin Vasishṭha's VP. 34. 83. Buāg. P. 4, 1, 40.
— 3) n. Wasser ÇABDAR. im ÇKDr. Als n. declinirt Vop. 3, 163.

ऊर्जन (von ऊर्जय्) n. zur Erkl. von ऊर्ज Sch. zu BUAT. 3, 55.

ऊर्जय् (von ऊर्ज wie इष् von इष्), ऊर्जयति nāhren, kräftigen Nir. 3,
8. Dhātup. 32, 16. सन्भयो वाजिनमूर्जयति RV. 9, 89, 4. यो ह्येवात्रमन्ति स
प्राणिति तमूर्जयति Çat. Br. 7, 3, 4, 18, 19. med. sich kräftigen, kraftvoll
sein: इषेययधमूर्जेर्जयधम् Âçv. Çr. 3, 7. ÇĀṆKH. Çr. 7, 6, 6. — partic.
praes. kräftig, saftig; nährend, fruchtbar; act.: ऊर्जयत्या अयंरिविष्टमा-
स्यम् RV. 2, 13, 8. 3, 7, 4. सो अयां नपाहर्जयन्स्वपेतः (वि भाति) 2, 33, 7.
ता नः क्षितीः करेतमूर्जयन्तीः 7, 63, 2. ओषधि 10, 97, 7. इषम् 5, 41, 18. med.:
अर्द्धपिवद्हर्जयमान्माशितम् 10, 37, 11. VS. 28, 16. Nir. 9, 43. — part. pass.
ऊर्जित kräftig, mächtig; erhaben, ausgezeichnet: ऊर्जिताः (wohl von
der körperl. Fülle) किंनर्यो यत्तकन्याश्च HARIV. 9920. अह्ने विततमूर्जितं
भरसहं च सिन्धोर्वपुः BHART. 2, 68. वीरमपि दातारमूर्जितम् R. 6, 107, 7.
12, 22. रिपु MBh. 3, 17202. Hit. IV, 118. मोक्ष PRAB. 3, 16. यद्यदिभू-
तिमत्सहं श्रीमहर्जितमेव वा BHAG. 10, 41. वीर्य R. 5, 1, 33. ऊर्जितः खलु
ते कामः कृतः 2, 83, 2. तमाथत्स्वोर्जितं तत्रो द्वितीयो कुरु वै तनुम् HARIV.
2334. विजयोर्जित in Folge des Sieges sich fühlend, seiner Macht bewusst
Rāgā-Tar. 3, 233. 347. तेषां मध्य उवाचेदं तदा वचनमूर्जितम् R. 3, 4, 29.
स्वर्गं चैवालयं विप्रं विदधामि तवोर्जितम् MBh. 13, 1347. नामन् Ragh. 7,
35. कुसुमचापम् — मकरोर्जितकेतनम् 9, 38. 11, 64. — Nach dem Dhātup.
bedeutet ऊर्जय् auch leben.

ऊर्जयानि (ऊ०+यो०) m. N. pr. eines Sohnes von Viçvāmitra
MBh. 13, 258 (ऊर्ज).

ऊर्जवाह (ऊ०+वा०) m. N. pr. eines Sohnes von Çukī VP. 390.

ऊर्जव्यं (von ऊर्ज) adj. nahrungsreich, kraftreich: सिपेक्षु न ऊर्जव्यस्य
पुष्टेः RV. 5, 41, 20.

ऊर्जस् P. 3, 2, 114, Sch. Nebenform von ऊर्ज, ऊर्ज, ऊर्जा in ऊर्जस्कर,
ऊर्जस्वत्, ऊर्जस्वल und ऊर्जस्विन्.

ऊर्जसनि (ऊ०+स०) adj. Stärkung spendend: स त्वं न ऊर्जसन् ऊर्जं
धाः RV. 6, 4, 4.

ऊर्जस्कर (ऊ०+क०) adj. Kraft bewirkend: ऊर्जस्करान्कृत्यवाहान्
MBh. 3, 14181. अन्नमूर्जस्करम् 13, 3206. 5555. Vgl. रुजस्कर 3, 14144 gegen-
über von रुज् und रुजा; in diesen comp. könnte das erste Wort auch
als cas. obliquus aufgefasst werden.

ऊर्जस्तम् (ऊ०+स्त०) m. N. pr. eines der sieben Ṛshi im 2ten
Manvantara Buāg. P. 8, 1, 20.

ऊर्जस्वत् (von ऊर्जस्) 1) adj. nahrungsreich, saftig, strotzend (beson-
ders häufig neben पयस्वत्): ऊर्जस्वत् कृषिषो दत्त भागम् RV. 10, 31, 8.
9. ओषधीः 169, 1. ऊर्जस्वतो चासि पर्यस्वतो च VS. 1, 27. p. इट. TS. 1,
1, 1, 1. VS. 6, 30. 10, 1. ऊर्जस्वतो पर्यासा पिन्वमाना सीते 12, 70. इमं स्त-
नमूर्जस्वत् धयापाम् 17, 87. द्यावपृथिवी AV. 2, 29, 5. Çat. Br. 1, 9, 1, 7.
ÇĀṆKH. Çr. 1, 14, 4. 8, 19, 7. गाला AV. 3, 12, 2. 9, 3, 16. गृह 7, 60, 2. 19,
46, 6. अन्नमेवास्मा रूतहर्जस्वच्छद्वचति (zur Erkl. von तस्मा इत्या पिन्वते)
Ait. Br. 8, 26. Buāg. P. 4, 18, 10. यत् Çat. Br. 13, 3, 2, 6. Kātj. Çr. 3, 4,
30. ÇĀṆKH. Çr. 4, 9, 4. 6, 7, 10. 7, 4, 17. Pār. Gṛh. 3, 4. von Flüssen Naigh.
1, 13. — mächtig, kräftig, stark H. 792, Sch. ऊर्जस्वत् मन्यमान आत्मानं
भगवान्नः Buāg. P. 3, 20, 42. — 2) f. ०स्वती N. pr. eine Tochter Dak-
sha's und Gemahlin Dharma's VP. 119, N. 12. eine Tochter Prija-
vrata's und Gemahlin von Uçanas Buāg. P. 5, 1, 24, 35. Gemahlin
Prāṇa's 6, 6, 12.